Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 27 अंक- 333 रायपुर, शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024 पृष्ठ-8 मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • बिलासपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

देशभर में शोक की लहर, कल होगा अंतिम संस्कार

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, पीएम मोदी, सोनिया, राहुल समेत कई दिग्गज नेता श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर (न्यूज चैनल)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह गुरुवार को दुनिया को अलविदा कह गए। उनके निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। पीएम मोदी और राहुल गांधी समेत कई नेता पूर्व पीएम सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने उनके आवास पर पहुंचे। बता दें, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर कल 28 दिसंबर को कांग्रेस मुख्यालय लाया जाएगा, जहां लोग उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। उनका अंतिम संस्कार राजघाट के पास किया जाएगा।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह गुरुवार को 92 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गए। उनके निधन की खबर से पूरे देश में शोक की लहर है। राष्ट्रपति द्रोपती मुर्मू ने मनमोहन सिंह के निवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा भी श्रद्धांजलि देने उनके आवास पर पहुंचे। इस दौरान मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर मौजूद रहीं। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के आवास पर पहुंचे। केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 26 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन के बाद 26 दिसंबर, 2024 से एक जनवरी, 2025 तक पूरे देश में सात दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है। इस दौरान, उन सभी स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा, जहां इसे पारंपरिक रूप से फहराया जाता है और सभी आधिकारिक कार्यक्रम स्थगित रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। इससे पहले उन्होंने शोक संदेश में कहा, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहा। एक अर्थशास्त्री के रूप में उन्होंने अलग-अलग स्तर पर भारत सरकार में सेवाएं दीं। उन्होंने रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में सेवाएं दीं। पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहे और देश में आर्थिक उदारीकरण की नींव रखी। जनता के प्रति, देश के विकास के प्रति उनका जो समर्पण था, उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन ईमानदारी, सादगी का प्रतीक था। उनकी सौम्यता, बौद्धिकता उनके जीवन की पहचान रही। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने उनके आवास पहुंचे हैं। उन्होंने नम आंखों से श्रद्धा-सुमन अर्पित की। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के आवास पहुंचकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि दी और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

सोनिया समेत पूरा गांधी परिवार मौजूद - कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल तथा पार्टी के अन्य नेता दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के आवास पर मौजूद हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि राष्ट्र के लिए उनके योगदान को लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

मनमोहन सिंह ने मुस्लिम समुदाय के उत्थान के लिए काम किया- दिवंगत पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, %अपनी पार्टी की ओर से मैं उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। वह पहले प्रधानमंत्री थे जिन्होंने हाशिए पर पड़े समुदायों और मुस्लिम समुदाय के उत्थान के लिए काम किया। उनके निधन से देश ने अपना बेटा खो दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि दी और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, %यह देश और कांग्रेस के लिए बहुत दुखद दिन है। वह इस देश के प्रशासकों में से एक थे। जहां तक कांग्रेस का सवाल है, हमने अपने महान नेताओं में से एक को खो दिया। 10 साल तक प्रधानमंत्री और 5 साल तक वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने सुशासन का प्रदर्शन किया। यह देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है।%पूर्व पीएम के निधन के शोक में कर्नाटक विधानसभा का झंडा आधा झुका दिया गया है।

कांग्रेस मुख्यालय में अंतिम दर्शनों के लिए रखा जाएगा पार्थिव शरीर- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मनमोहन सिंह की बेटी आज देर रात तक भारत पहुंच सकती हैं। पूर्व पीएम का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शनों के लिए कांग्रेस मुख्यालय में रखा जाएगा। आम लोग पूर्व पीएम के अंतिम दर्शन शनिवार सुबह 8 बजे से लेकर 10 बजे तक कर सकेंगे।

जीवन परिचय

डॉ. मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत के एक गांव में हुआ था। एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले डॉ. सिंह ने अपने जीवन में शिक्षा, अर्थशास्त्र और राजनीति में असाधारण उपलब्धियां हासिल कीं। उनकी उपलब्धियों में कई महत्वपूर्ण कदम शामिल हैं, जिनमें भारतीय अर्थव्यवस्था को उदारीकरण की दिशा में ले जाना, विदेशी निवेश को बढ़ावा देना और गरीबी उन्मूलन के लिए कई कार्यक्रमों को शुरू करना शामिल है।

वित्त मंत्री के रूप में योगदान- डॉ. मनमोहन सिंह 1991 से 1996 तक, भारत के वित्त मंत्री रहे। इस दौरान उन्होंने आर्थिक सुधारों की एक व्यापक नीति लागू की, जिसे विश्वभर में सराहा गया। इन सुधारों ने भारत को आर्थिक संकट से उबारकर एक नई दिशा दी। डॉ. सिंह 1991 में पहली बार राज्यसभा के सदस्य बने। उन्होंने असम का प्रतिनिधित्व पांच बार किया और 2019 में राजस्थान से राज्यसभा सदस्य बने। 1998 से 2004 तक, जब भारतीय जनता पार्टी सत्ता में थी, डॉ. सिंह राज्यसभा में विपक्ष के नेता रहे। उन्होंने 1999 में दक्षिण दिल्ली से लोकसभा चुनाव भी लड़ा, लेकिन सफलता नहीं मिली।

2004 में बने थे देश के प्रधानमंत्री

2004 के आम चुनावों के बाद 22 मई को उन्हें भारत का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। उन्होंने 2009 में दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और 2014 तक इस पद पर बने रहे।

सीएम साय ने दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर शोक व्यक्त करते हुए कहा-पूर्व प्रधानमंत्री, प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। मनमोहन सिंहजी जी अर्थशास्त्र के उन दिग्गजों में एक थे जो देश के वित्तमंत्री, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर और योजना आयोग के प्रमुख महत्वपूर्ण पदों पर रहे मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ है। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों, उनके शुभचिंतकों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।

बोर्ड परीक्षा से पहले होगा निकाय व पंचायत चुनाव की परीक्षा

बैलेट पेपर से होगा मतदान, 7 जनवरी के बाद लग सकती है आचार संहिता : साव

रायपुर 27 दिसंबर 2024। नगरीय निकाय चुनाव को लेकर लग रही तमाम अटकलों के बीच डिप्टी सीएम अरूण साव का बड़ बयान सामने आया है। उन्होने साफ किया है कि नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव बोर्ड परीक्षा से पहले ही संपन्न करा लिये जायेंगे। डिप्टी सीएम साव ने बताया कि 7 जनवरी के बाद कभी भी प्रदेश में आचार संहिता लग सकती है। वहीं चुनाव में मतदान ईवीएम मशीन की जगह बैलेट पेपर से होगा। डिप्टी सीएम ने साफ किया कि मशीन से मतदान की तैयारी में समय लग रहा था। इसलिए बैलट पेपर से चुनाव का निर्णय किया गया है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर असमंजस की स्थिति व्याप्त थी। एक दिन पहले तक खबर ये आ रही थी कि अब निकाय और पंचायत चुनाव बोर्ड परीक्षा के बाद ही कराये जायेंगे। इन सारी अटकलों के बीच आज डिप्टी सीएम अरूण साव ने निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। अरूण साव ने स्पष्ट किया कि निकाय और पंचायत चुनाव बोर्ड परीक्षा से पहले ही संपन्न होंगे। नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने मीडिया से चर्चा में बताया कि चुनाव आयोग ने तैयारी शुरू कर दी है।

नियमों में परिवर्तन हुआ है, आरक्षण की प्रक्रिया हो रही है। सरकार जल्द से जल्द चुनाव करने प्रतिबद्ध है। अरूण साव ने स्पष्ट किया है कि 7 जनवरी के बाद कभी भी आचार संहिता लग सकती है। वहीं बीते दिनों छत्तीसगढ़ निर्वाचन आयोग ने भारत निर्वाचन आयोग के आदेश पर चुनाव चिन्हों को अपडेट करने के आदेश पर चुनाव चिन्हों को अपडेट कर दिया था। अब मेयर, नगर पालिकाध्यक्ष और वार्डों के चुनाव लड़ने वाले ऐसे प्रत्याशी जो निर्दलीय के रूप में मैदान पर होंगे। उनके लिए चुनाव चिन्ह तय कर लिए गए थे।

एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत संदिग्ध परिस्थिति में मिली जली हुई लाश

राजनंदगांव, 27 दिसंबर (हाईवे चैनल)। जिले के भवरमरा गांव में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई है. घर में तीनों की जली हुई लाश मिली है. सिलेंडर बलास्ट से मौत होने की आशंका जताई जा रही है. मौके पर पुलिस और एफएसएल की टीम मौजूद है. मामला बसंतपुर थाना क्षेत्र का है. जानकारी के अनुसार, भवरमरा में आज एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई है. भगवत सिंह 40 साल, तनु सिंह 35 साल और भावीया सिंह 2 साल की मौत हुई है. बताया जा रहा है कि मृतक भागवत, किराना दुकान का चलाता था जबकि महिला गृहणी थी. पुलिस मामले की जांच

ब्रेकिंग न्यूज

दिल्ली हवाई अड्डे पर बांग्लादेशी नागरिक सोने की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर (न्यूज चैनल)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर एक बांग्लादेशी नागरिक को लगभग 82 लाख रुपये मूल्य के सोने की तस्करी करने के आरोप गिरफ्तार किया गया है। सीमा शुल्क विभाग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

विभाग ने बताया कि आरोपी को बुधवार को दुबई से यहां पहुंचने के बाद रोका गया। विभाग ने बताया कि यात्री के सामान की विस्तृत जांच और यात्री की तलाशी में चार अंडाकार गीले कैप्सूल बरामद हुए, जिनमें सोने का पेस्ट होने का संदेह था। विभाग ने बताया कि इसका कुल वजन 1,259 ग्राम था, जिसे यात्री ने मोजे में छिपाया था। सीमा शुल्क विभाग ने एक बयान में कहा है कि यात्री के पास से बरामद सोने के पेस्ट से 1,101 ग्राम वजन का सोने की छड़ प्राप्त हुई जिसका कुल मूल्य 81.76 लाख रुपये है। विभाग ने बताया कि सोना जब्त करने के साथ ही यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है।

चूहा- सुनती हो, अरविंद केजरीवाल कह रहे हैं मुख्यंत्री आतिशी को गिरफ्तार करने की योजना बनाई जा रही है।

चुहिया- हां जी, लेकिन चिंता क्या है उनके गुरु केजरीवाल को जेल से ही शासन चलाने का अनुभव है।

मंत्रियों का ऐलान कभी भी, नए व पुराने चेहरों की चर्चा

गजेंद्र यादव, अमर अग्रवाल, राजेश मूणत, अजय चंद्राकर, किरणदेव सिंह और सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा के नाम शामिल

रायपुर, 27 दिसंबर (हाईवे चैनल)। विष्णुदेव साय की सरकार में कम से कम दो नए मंत्रियों की ताजपोशी तय मानी जा रही है। वहीं यह भी माना जा रहा है कि मंत्रियों के नामों का ऐलान और उनका शपथ ग्रहण भी जल्द ही होगा। ऐसे में राजनैतिक महकमे में यह चर्चा तेज हो गई है कि किन विधायकों को मंत्री बनाने का 'सुअवसर' मिलने जा रहा है।

मंत्रिमंडल के विस्तार की अटकलों के बीच कुछ नामों की चर्चा जोरशोर से चल रही है। इनमें गजेंद्र यादव, अमर अग्रवाल, राजेश मूणत, अजय चंद्राकर, किरणदेव सिंह और सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा के नाम शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में इस बार जब भाजपा की सरकार बनी और मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों के नामों की घोषणा हुई तब एकबारगी सभी चौंक गए। टीम मोदी ने इस बार सभी नए लोगों को मौका दिया। हालांकि सरकार बने 10 महीने बीत चुके हैं और यह समीक्षा का समय है कि नए लोगों को मंत्री बनाने का सरकार के काम काज में क्या इफेक्ट रहा है। आम लोगों के साथ ही पार्टी के नेताओं का भी मानना है कि मंत्रियों की अनुभवहीनता के चलते राज-काज पर बुरा असर पड़ा है। इसलिए माना जा रहा है कि इस बार मंत्रिमंडल के विस्तार में अनुभवी को प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें सबसे ऊपर अमर अग्रवाल का ही नाम आता है, जिनका विभिन्न विभागों में मंत्री के पद पर रहकर काम करने का लंबा-चौड़ा अनुभव रहा है। उनके कामकाज को देखते हुए यही माना जा रहा है कि इस बार मंत्रिमंडल के विस्तार में उनका स्थान तय है।

इसी तरह विष्णुदेव साय के मंत्रिमंडल में दूसरा नाम गजेंद्र यादव का उभरकर सामने आया है। इसके पीछे जातिगत समीकरण को प्रमुख माना जा रहा है। प्रदेश में सरकार चाहे किसी की भी हो, यहां जातिगत समीकरण के आधार पर मंत्रियों की नियुक्ति को कोई भी नकार नहीं सकता। जातिगत बहुलता के आधार पर भाजपा की सरकार में भी मंत्री बनाये गए हैं। इसी कड़ी में इस बार भी दुर्ग के विधायक गजेंद्र यादव का नाम सामने आया है। गजेंद्र यादव ऋस्र के प्रदेश प्रमुख रहे बिसरा राम यादव के बेटे हैं। माना जा रहा है

प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुग्राम में मनोरंजन कंपनी की 120 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर (न्यूज चैनल)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने धनशोधन के एक मामले की जांच के तहत मनोरंजन सेवाएं प्रदान करने वाली एक कंपनी की हरियाणा के गुरुग्राम में 120 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 42 एकड़ जमीन जब्त की है।

'इंटरनेशनल रिक्रिएशन एंड एम्यूजमेंट लिमिटेड' (आईआरएएल) नामक कंपनी के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कुर्की का एक अस्थायी आदेश जारी किया गया है। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि गुरुग्राम में 'अप्पू घर' संचालित करने वाली कंपनी वर्तमान में दिवालियापन की कार्यवाही का सामना कर रही है। कुर्क की गई संपत्तियों में गुरुग्राम के सेक्टर-29 में 25 एकड़ जमीन और सेक्टर 52-ए में 17 एकड़ जमीन के साथ-साथ आधी बनी इमारत भी शामिल है। इन संपत्तियों का कुल मूल्य 120.98 करोड़ रुपये है।

भीषण ठंड में अर्धनग्न हुए भाजपा नेता अन्नामलाई, अचानक खुद पर बरसाने लगे कोड़े

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर (न्यूज चैनल)। तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इकाई के अध्यक्ष, के अन्नामलाई ने शुक्रवार को अन्ना विश्वविद्यालय के कथित यौन उत्पीड़न मामले में न्याय की मांग करते हुए कोयंबटूर में अपने आवास के बाहर एक अनोखे विरोध प्रदर्शन में खुद को कोड़े मारने का सहारा लिया। कथित यौन उत्पीड़न मामले से निपटने में पुलिस और राज्य सरकार की %उदासीनता% की निंदा करने के लिए अन्नामलाई द्वारा खुद को कोड़े मारकर विरोध प्रदर्शन भी किया गया था। अन्नामलाई ने शुक्रवार को 48 दिनों की मुरुगन दीक्षा भी शुरू की और तमिलनाडु से डीएमके सरकार को हटाने तक अपने पैरों पर चप्पल या जूते नहीं पहनने की भीष्म प्रतिज्ञा ली।

अपने गृहनगर कोयंबटूर में मीडिया को संबोधित करते हुए, भाजपा के तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने अपना आपा खो दिया और डीएमके सरकार की आलोचना की। राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था के लिए द्रमुक सरकार पर आरोप लगाते हुए गुस्से में दिख रहे अन्नामलाई ने अपने जूते उतार दिए और कहा कि जब तक राज्य में द्रमुक सरकार को उखाड़ नहीं फेंका जाता, वह जूते नहीं पहनेंगे। जब तक द्रमुक सरकार को उखाड़ नहीं फेंका जाता, मैं नंगे पैर चलूंगा। मैं लोगों से अनुरोध कर रहा हूं, कृपया इस सब पर गौर करें। उन्होंने कहा कि हमेशा की तरह, हम चुनाव जीतने के लिए पैसा नहीं देने जा रहे हैं। हम बिना पैसे बांटे चुनाव लड़ेंगे. जब तक डीएमके सरकार नहीं चली जाती, मैं चप्पल नहीं पहनूंगा। उन्होंने सभी बुराइयों को खत्म करने के लिए कल कोयंबटूर में अपने आवास के बाहर खुद को छह कोड़े मारने का भी वादा किया।

एयरपोर्ट से लगी हुई रक्षा मंत्रालय की जमीन पर हो रहा था अवैध उत्खनन हाई कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान, शपथ पत्र में मांगा जवाब

बिलासपुर, 27 दिसंबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने बिलासपुर के बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट से लगी रक्षा मंत्रालय की जमीन पर मुरूम की अवैध खुदाई के मामले को स्वतः संज्ञान लिया है। इस मामले की सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और न्यायाधीश रविन्द्र अग्रवाल की विशेष बेंच ने सख्त नाराजगी जताते हुए राज्य सरकार और रक्षा मंत्रालय से शपथपत्र में जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई अब 9 जनवरी 2025 को होगी।

बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट चकरभाठा से लगी रक्षा मंत्रालय विभाग की जमीन जो तेलसरा ग्राम के अंतर्गत आती है। यहां अवैध रूप से मुरूम का उत्खनन किए जाने की खबरें मीडिया में आईं। जिसमें बिल्डर के द्वारा मुरूम खोदकर कॉलोनी विकसित किये जाने की जानकारी दी गई। वहीं ऐसा करके शासन को करोड़ों रुपए की रॉयल्टी का नुकसान होने की बात भी कही गई। इस मामले को कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए सख्त रुख अपनाया है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि 13 दिसंबर 2024 की खबरों पर देर से कार्रवाई कर नोटिस दिया गया। इस पर सरकार का पक्ष रखते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता राजकुमार गुप्ता ने कोर्ट में गूगल के माध्यम से निकला नक्शा पेश किया और तर्क दिया कि 2012 में भी उस जगह पर गड्ढा मौजूद था, लेकिन कोर्ट ने इस तर्क को अमान्य कर दिया और कहा कि गूगल पर हर समय विश्वास नहीं किया जा सकता।

अतिरिक्त महाधिवक्ता ने सरकार का पक्ष रखते हुए आगे कहा कि गांव और आसपास के लोग भी यहां से मुरुम ले जाते रहे हैं। इसे लेकर कोर्ट ने सख्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में जिम्मेदारों की आंखें बंद रहती हैं। इतना नहीं है कि गांव वाले बेचारे ले गए हैं..! ये जो बड़े बड़े लोग हैं जो इस सबके पीछे हैं..!

इस मामले में एक नई जानकारी सामने आयी। अतिरिक्त महाधिवक्ता ने बताया कि 2018 से रेगुलेशन के साथ रॉयल्टी लेने का प्रावधान किया गया और एक व्यक्ति को परमिशन भी दी गई है। खनिज विभाग की तरफ से मेसर्स फॉर्चून एलिमेंट के संचालक पवन अग्रवाल को 25 दिसंबर 2024 नोटिस दिया गया, जिसके जवाब के बाद पूरी जानकारी मिल जाएगी। इस पर भी कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि न्यूज आइटम 13 दिसंबर का है और आपने आरोपी बिल्डर को नोटिस इतने दिनों बाद दिया है। रक्षा मंत्रालय का पक्ष रखने वाले अधिवक्ता रमाकांत मिश्रा ने कोर्ट में अपील करते हुए कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारी, कलेक्टर, इस जमीन पर हो रहे उत्खनन पर रोक लगाएं। वहीं कोर्ट ने इस पूरे मामले में अब शासन और केंद्र सरकार के रक्षा मंत्रालय विभाग से शपथपत्र पर जवाब मांगा है.